हिन्दी प्रचार वाहिनी-3

(प्रश्नोत्तर भंडार सहित)

राष्ट्रभाषा परीक्षा के लिए

प्रकाशक

दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास

त्यागराय नगर, चेन्नई - 17.

This PDF is generated automatically by Vizle.

Slides created *only for a few minutes* of your Video.

For the full PDF, please Login to Vizle.

https://vizle.offnote.co (Login via Google, top-right)

Stay connected with us:

Join us on Facebook, Discord, Quora, Telegram.

हिन्दी प्रचार वाहिनी - 3

विषय सूची

पहला पत्र

			पृष्ठ
भाग - 1	-	पद्य	
		1. बापू	9
		2. छुट्टी का घंटा बजने ही	11
		3. पंद्रह अगस्त	12
		4. कठ-पुतली है या जीवन है	14
		5. माँ	15
		6. आ रही रवि की सवारी	17
		7. एक आशीर्वाद	18
		8. कबीर के दोहे	19
		9. रहीम के दोहे	20
		10. गालिब के कुछ शेर	21
भाग - 2	-	गद्य	
		1. स्वर्ग की खोज	24
		2. रुपया	27
		3. दक्षिण अफ्रिका में गाँधीजी	30
		4. महान संत कवि तिरुवल्लुवर	32
		5. दक्षिण की पुरानी नाट्य कलाएँ	35
		6. स्वामी विवेकानंद	39
		7. मैं किल्लूर नहीं दूँगी	42
		8. 'भारत रत्न' एम विश्वेश्वरय्या	45
		9. कबड्डी	47
		10. अंधेर नगरी	50
भाग - 3	-	एकांकी	
		1. बहू की विदा	58
		2. कट्टबोम्मन	65
		3. दस मिनट	80
		4. भोर का तारा	86
		5. खून का बदला	97

दूसरा पत्र

			पृष्ठ
	- कहानी	1. परीक्षा	106
		2. जामुन का पेड़	110
		3. घीसा	116
		4. दो कलाकार	121
		5. साइकिल की सवारी	128
भाग - 5	- जीवनी	1. पंडित जवाहरलाल नेहरु	137
		2. सरदार वल्लभ भाई पटेल	141
		3. नेताजी सुभाष चंद्र बोस	144
		4. सरदार भगतसिंह	147
		5. पंडित दीनदयाल उपाध्याय	152
		6. लाल बहादुर शास्त्री	154
		7. भीमराव अंबेडकर	156
भाग - 6	- निबंध		159
		1. नदी	
		2. पनडुब्बी	
		3. शिक्षक दिवस	
		4. पुस्तकालय	
		5. समय का महत्व	
		6. विद्यार्थी जीवन	
		7. पोंगल	
		8. क्रिसमस	
		9. ईद	
		10. भ्रमण के लाभ	
भाग - 7	- रचना		161
भाग - 8	- अनुवाद अभ्यास		173
प्रश्नोत्तर भंडार			189

हिन्दी प्रचार वाहिनी - 3

पहला पत्र

भाग - 1

पद्य

1. बापू

– श्री सुमित्रानंदन पंत

[आधुनिक काल के कवियों में सुमित्रानंदन पंत जी का स्थान अद्वितीय है। इनका जन्म उत्तराखंड में हुआ था। ये हिन्दी, बंगला, संस्कृत, अंग्रेज़ी आदि भाषाओं के ज्ञाता थे। इनकी साहित्य यात्रा के तीन प्रमुख पड़ाव हैं। छायावादी, प्रगतिवादी और आध्यात्मवादी कवि के रूप में हम इन्हें देख सकते हैं। इनका "चिदंबरा" नामक कविता-संग्रह बहुत ही प्रसिद्ध है।]

चरमोन्नत जग में जब कि आज विज्ञान ज्ञान,
बहु भौतिक साधन, यंत्र यान, वैभव महान,
सेवक हैं विद्युत वाष्प शक्तिः धन बल नितांत,
फिर क्यों जग में उत्पीड़न? जीवन यों अशांत?

मानव ने पाई देश काल पर जय निश्चय,
मानव के पास नहीं मानव का आज हृदय!
चर्वित उसका विज्ञान ज्ञानः वह नहीं पचित;
भौतिक मद से मानव आत्मा हो गई विजित!

हिन्दी प्रचार वाहिनी - 3

भाग - 2
गद्य

		पृष्ठ
1.	स्वर्ग की खोज ...	24
2.	रुपया ...	27
3.	दक्षिण अफ्रिका में गाँधीजी ...	30
4.	महान संत कवि तिरुवल्लुवर ...	32
5.	दक्षिण की पुरानी नाट्य कलाएँ ...	35
6.	स्वामी विवेकानंद ...	39
7.	मैं किल्लूर नहीं दूँगी ...	42
8.	'भारत रत्न' एम विश्वेश्वरय्या ...	45
9.	कबड्डी ...	47
10.	अंधेर नगरी ...	50

हिन्दी प्रचार वाहिनी - 3

भाग - 3

एकांकी

		पृष्ठ
1.	बहू की विदा	... 58
2.	कट्टबोम्मन	... 65
3.	दस मिनट	... 80
4.	भोर का तारा	... 86
5.	खून का बदला	... 97

Vizle

हिन्दी प्रचार वाहिनी - 3

दूसरा पत्र

भाग - 4

कहानी

पृष्ठ

1. परीक्षा ... 106
2. जामुन का पेड़ ... 110
3. घीसा ... 116
4. दो कलाकार ... 121
5. साइकिल की सवारी ... 128

हिन्दी प्रचार वाहिनी - 3

भाग - 5

जीवनी

			पृष्ठ
1.	पंडित जवाहरलाल नेहरू	...	137
2.	सरदार वल्लभ भाई पटेल	...	141
3.	नेताजी सुभाषचंद्र बोस	...	144
4.	सरदार भगतसिंह	...	147
5.	पंडित दीनदयाल उपाध्याय	...	152
6.	लाल बहादुर शास्त्री	...	154
7.	डॉ. भीमराव अंबेडकर	...	156

This PDF is generated automatically by Vizle.

Slides created *only for a few minutes* of your Video.

For the full PDF, please Login to Vizle.

https://vizle.offnote.co (Login via Google, top-right)

Stay connected with us:

Join us on Facebook, Discord, Quora, Telegram.